nasal in the root and all forms with a nasal in the reduplicated syllable are here assigned to this root making P. vii. 4. 72 superfluous; etymologically *aṁś- aś-* and *naś-* come from an IE dissyllabic root *enek– cf. Mayr. s. v. *aśnóti, náśati*] **1** to reach, to obtain, to get, to receive मर्तासः सन्तो अमृतत्वमानशुः ṚV. i. 110. 4; i. 164. 23; x. 53. 10; x. 63. 4; AV. ii. 1. 5; देवाः··· यज्ञियं भागमानशुः ṚV. ii. 23. 2; iii. 60. 1; x. 66. 2; वृधासो ये मघवन्नानशुर्मघम् ṚV. x. 147. 3; x. 100. 2; अहं···आनश्यां तव ज्यायं इन्द्र सुम्नमोजः ṚV. vi. 26. 7; vi. 22. 4; ix. 108. 4; न···ते···सख्यमानंश मर्त्यः ṚV. viii. 68. 8; ix. 48. 5; TaiS. V. vii. 2. 2; विश्वमिद्धीतमानशुः ṚV. viii. 3. 16; ix. 22. 3; न सिन्धवो रजसो अन्तमानशुः ṚV. i. 52. 14; viii. 3. 13; ix. 22. 5; ix. 86. 15; ते सौधन्वनाः स्वरानशानाः AV. vi. 47. 3; ततो यदि त्वा ग्राहिरानशे AV. vi. 113. 1; नहि ते अग्ने तन्वः क्रूरमानंश मर्त्यः AV. vi. 49. 1; KāṭhS. 35. 14; **2** to accomplish, to effect, to produce, मर्त आनाश सुवृक्तिम् ṚV. vi. 16. 26; श्यावाश्वस्ते सवितः स्तोममानशे ṚV. v. 81. 5; **3** to equal, to attain the same status, to be comparable नकिष्ट्वानु मज्मना नकिः स्वश्व आनशे ṚV. i. 84. 6; viii. 24. 17; i. 151. 9; **4** to be successful, to have reached the goal (with Inst. and Dat.) समानंश सुमतिभिः को अस्य ṚV. iv. 23. 2; viii. 12. 20; अधा यज्ञाय तुर्वणे व्यानशुः ṚV. viii. 12. 19; **5** to be suitable for दारुपात्रेण जुहोति न हि मन्मयमाहुतिमानशे Tai.S. II. v. 4. 3.

²**अंश्** (aṁś–) x.p. to divide, to assign (a part) [The DhātuPā. x. 371 sets up this root (both अंश् and अंस्) and gives it the sense of समाघात further explained as विभाजन KṣīraTa. x. 371; DhātuPā. (He.) 349; Kavikalpa-Dr. 15; probably a denom. from the noun *aṁśa* 'part, division'; while explaining the derivation of अंश PadMañ. and Nyās. on KāśiVṛ. (P. vi. 1. 203) set up a root अंश समाधाने which can only mean 'to assign a portion'; no usage is known.]

¹**अंश** (áṁś-a) *m.* rarely *n.* [¹aṁś– Pok. 3. 6; Turn 2 / included in *vṛṣādigaṇa* P. vi. 1. 203; from *aṁś– samādhāne* (Nyās. and PadMañ) + *ac* (KāśiVṛ.); *aṁśyate aṁśaḥ*, Kṣīrasvā. *on* AmaK. 1885; *aṁśyate aṁśaḥ, amatīti vā* Uṇā. (He.) 527; *aṁśayatīti aṁśaḥ* Mahī. on VājaS. 10. 5; generally traced to *aś.*(*aśnoti*)] **1** allotted part, share, portion **2A** lot, wager, stake **B** share, contribution **C** share in war **D** share in produce, profit, booty **E** share of duty or responsibility **3A** name of a Vedic deity **B** one of the Ādityas **C** one of the names of the sun **D** one of the forms of Brahmā **E** aspect of the deity presiding over the sun **4A** share of inheritance, heritage, patrimony **Bi** part, portion, fragment, fraction (of a material thing) **ii** the outer corner of the eye **iii** name given to a division of some works **iv** part in general as associated with the whole **v** one of the several equal parts **vi** aspect, element, factor **Ci** incarnation in general **ii** partial incarnation **5A** a Vedic metre **Bi** a key-note **ii** a group of notes of one *rāga* introduced into another **C** one degree, 1/30 part of a Rāśi **Di** abbreviation of Navāṁśa **ii** name of the sixth house of a horoscope **E** numerator **6Ai** a measure of time **ii** 1/124 of a day **B** a measure of length **C** a measure of area, a small square **D** a measure of quantity **E** a measure of weight **7A** name of a king **B** name of a form of Rudra **C** name of the son of Kratu **D** name of a son of Manu **E** name of a Prajāpati **8** (in Kośas) **A** digit **B** 1/3 of a zodiacal sign **C** a quarter **D** a half. [DBHS. time; love] **1** allotted part, share, portion, bit, piece उदिन्न्वस्य रिच्यतेऽशो धनं न जिग्युषः (Sāy. सोमस्य भागः) ṚV. vii. 32. 12; अधायि धीतिरससृग्रमंशास्तीर्थे न दस्ममुप यन्त्यूमाः ṚV. x. 31. 3 (Sāy. हविर्भागाः); त्रेधा भागो निहितो यः पुरा वो देवानां पितॄणां मर्त्यानाम्। अंशां (? अंशान्) जानीध्वं वि भजामि तान्वो···AV. xi. 1. 5; अंशं सोमस्यैकं मन्ये वैश्वदेवमिदं हविः (ओदनात्मकम्) AV. (P.) v. 13. 4. **2A** lot, wager, stake वयं जयेम त्वया युजा वृतमस्माकमंशमुदवा भरेभरे ṚV. i. 102. 4; याभिर्भरे कारमंशाय जिन्वथस्ताभिरू षु ऊतिभिरश्विना गतम् ṚV. i. 112. 1 (Sāy. अंशाय युष्मदीयभागाय जयप्राप्त्यर्थम्); *upamāna* for Indrāgnī ता वृधन्तावनु द्यून् मर्ताय देवावदभा। अर्हन्ता चित् पुरो दधेऽशेव देवावर्वते ṚV. v. 86. 5; (used with *hṛ–*, *ava-hṛ–* and *ā-hṛ–*) ता-(i. e. सोम and इन्द्र) वब्रूतां सर्वे वा एतदेतस्या वीर्यं परि पश्यामोऽंशमा हरामहा इति तस्यामंशमाऽहरन्त TaiS. VII. i. 6. 2; तावब्रवीदंशमाहरेतामात्मना वामन्यतरस्य पास्यामि महिम्नान्यतरस्येति JaimiBr. 1. 228; तेऽब्रुवन् अंशान् हरामहै यस्मै नः प्रथमैष्यतीति JaimiBr. 2. 249; ते होचुर्महावृषाः ते वा अंशमवहरावहै JaimiBr. 3. 183; तया वा इदं सहस्रं विकल्पयामहा इत्यब्रुवंस्तामुदके प्रावेशयंस् तेऽब्रुवन्नंशानाहरामहै PañcBr. xxi. 1. 2; (with *pra-as–*) विश्वामित्रो भरतानां म(? अ) नस्वत्यायात् सौदन्तिभि- (? सोऽदन्तिभि-) र्नाम जनतयांश प्रास्यतेमां मां यूयं वस्निकां जयाये (? थे) मानि मह्यं पूरयाय (? थ) PañcBr. xiv. 3. 13 (comm. अंशं विभजनाय धनं प्रास्यत प्राक्षिप्य (? प्यत) आजिं संधाय तेन प्राप्तव्यमेतदिति स्थापितमभूत्); इन्द्रश्च रुशमा चांशं प्रास्येताम् यतरो नौ पूर्वो भूमिं पर्येति स जयतीति PañcBr. xxv. 13. 3 (comm. अंशं पणं प्रास्येताम्); **2 B** share, contribution (i. e. gift comprising food or milk) (कृषे) सा (त्वं) नस्त्रिरात्र(?) मधुमन्तमंशम् AV.(P.) xii. 6. 7 ; स्तन्यं क्षीरम्··· । ···अंशं धयन्तः(?) AV.(P.) v. 16. 4; गावो अंशो न वो रिषत् S'āṅkhāGS. iii. 9. 1; **2 C** share in war (i. e. a particular enemy-warrior allotted to or chosen by one for being engaged and defeated or killed) यः स पाञ्चालसेनानीर्द्रोणमंशमकल्पयत् MahāBhā. vii. 22. 33; आदिश्यतामभ्यधिको ममांशः पृथिवीपते MahāBhā. viii. 23. 23; को हन्ता लवणं वीरः कस्यांशः स विधीयताम् Rāmā. vii. 62. 8; अन्ये सर्वेऽपि वध्या ममैवांशा निर्धारिताः JānaPa. 5. 47(6); **2 D** share of produce, profit, booty etc. (due as compensation or reward) अपांपतिरथोवाच ममाप्यंशो भवेत्ततः। सोढास्मि विपुलं मर्दं मन्दरभ्रमणादिति MahāBhā. i. 16. 9; रक्ष्यमाणा वयं तात राजभिः···चरामो विपुलं धर्मं तेषां चांशोऽस्ति धर्मतः MahāBhā. i. 37. 24; ध्रुवे लाभे निर्दिष्टेनांशेनाध्रुवे लाभांशेन ArthS'ā. ii. 259. 4(7. 4); अंशो दण्डसमः पूर्वः प्रयाससम उत्तमः ArthS'ā. ii. 259. 6(7. 4) (comm. दत्तसैन्यबहुत्वाल्पत्वानुरूपो दातॄणामंशः कल्प्यः); वैश्यस्तु चतुर्थमंशं राज्ञे दद्यात् ViṣṇuSm. 3. 60; प्रयच्छेदेकमंशं तु कारिभ्यः PāraS. 18. 397; अङ्गमंशमिव जनमवलुम्पत्सु गन्धशैलतुल्येषु कल्लोलेषु AvantiKa. 191. 12; वर्णेभ्यो हृतमुपभुज्य षष्ठमंशं षाड्गुण्यं···नयतां धरापतीनां सामान्या तव जननी ĀścaCū. 5. 32; चतुरुत्तरषष्टिनरैर्भक्तं कोंऽशो नुरेकस्य GaṇiSāSaṁ. 1. 20; यच्च···लप्स्यसे द्रविणं ततः। तस्यांशस्तव भावी BṛKathāS'loSaṁ. 22. 72; मह्यमात्मीयमंशमार्यः प्रयच्छतु BṛKathāS'loSaṁ. 15. 124; शाकैस्तत्रोत्थितैर्नराः। जीवन्ति ये ततो ग्राह्यो दशमोंऽशो महीभुजा Mānaso. ii. 3. 170; ब्राह्मणेनाविदुषा क्षत्रियादिना च स्वकीयनिधौ लब्धे राजा षष्ठमंशं गृह्णीयात् DīpKa. 42. 4 (*on* 2. 35); अंशेन वक्ष्यमाणचतुर्थभागरूपेण संबध्यते (स्नानकर्ता तत्र पुष्करिण्यादिषु) ManvaMu. 181. 17 (*on* 4. 201); राजा षष्ठमंशमादत्ते VīraMi. 366. 13 (*on* 1. 335–36); हयं वा शकटीं वापि हरेत्सोपस्कृतां भटः। तदर्धं(? र्ध)तुर्यमंशं तु स लभेद्राजसत्कृतः NītiPra. 6. 104; तस्यांशो दशमः स्मृतः S'ukrNī. iv. 5. 301; आदौ प्रकल्पितानंशान् भजेयुर्यामिकास्तथा S'ukrNī. iv. 7. 406; **2 E** share of duty or responsibility निवेदनमिहास्माकमंशो निर्वहणं त्वयि Yādavā. 16. 47; यन्मया तातजटायुषः संनिधौ ससैनिकस्य खरस्य वधो ममांशो निर्णीतः JānaPa. 5. 48(4); **3A** name of a Vedic deity with the function of distribution, a distributor or an abstract god (अग्ने) त्वमंशो विदथे देव भाजयुः ṚV. ii. 1. 4; *upamāna* (Du.) for Aśvinau; अंशेव नो भजतं चित्रमप्नः ṚV. x. 106. 9 (Sāy. अंशाविव यथावयवौ तद्वन्तं यज्ञं भजेते); **3 B** one of the Ādityas (sons of Aditi and Kaśyapa) 6, 7, 8 or 12 in number (इमा गिरः ···) शृणोतु मित्रो अर्यमा भगो नः···वरुणो दक्षो अंशः ṚV. ii. 27. 1; देवो भगः सविता रायो अंश इन्द्रो···उत वा पुरन्धिरवन्तु नो अमृतासस्तुरासः ṚV. v. 42. 5; अंशो भगो वरुणो मित्रो अर्यमादितिः पान्तु मरुतः AV. vi. 4. 2=AV(P). xix. 2. 2; ब्रूमो राजानं वरुणं···अंशं विवस्वन्तं ब्रूमस्ते नो मुञ्चन्त्वंहसः AV. xi. 6. 2 = AV. (P.) xv. 13. 2; AV. (P.) vi. 19. 4; अंशाय स्वाहा··· TaiS. I. viii. 13. 3; तस्या अंशश्च भगश्चाजायेताम्···अंशप्रासोऽंशस्य भागधेयं जनं भगोऽगच्छत् MaiS. i. 6. 12; TaiBr. I. i. 9. 2; शृणोतु नः ··· वरुणो दक्षो अंशः VājaS. 34. 54; अंशस्ते हस्तमग्रभीत् ĀpaManPāṭha. ii. 3. 9; अंशाय स्वाहेति ··· एतान्यादित्यनामानि S'atBr. V. iii. 5. 9; अष्टौ पुत्रासो अदितेः···अंशश्च भगश्च TaiĀ. i. 13.3 (110.1); अंशो राजा विभजतीमावग्नी विधारयन् KauśiSū. 71. 1; एवमन्यासामपि देवतानामादित्यप्रवादाः स्तुतयो भवन्ति तद्यथैतन्मित्रस्य वरुणस्यार्यम्णः दक्षस्य भगस्यांशस्येति Nir. 2. 13 (50. 20); ĀpaS'S. xxiii. 7. 5; BṛDe. 5. 147; अदित्यां द्वादशादित्याः संभूताः···शक्रो वरुणश्चांश एव च MahāBhā. i. 59. 15; अंशो भगश्चातितेजा आदित्या द्वादश स्मृताः HariVaṁ. 3. 51; वरुणोंऽशो भगस्तथा ··· इत्येते द्वादशादित्याः BṛhaspaSm. 83. 20 = BrahmāṇḍP. ii. 3.67; वरुणोंऽशो भगः···द्वादशादित्याः कश्यपस्य सुताः VāyuP. ii. 5. 66; अदितिः सुषुवे पुत्रान् द्वादश (काश्यपात्)···अंशः NaraP. 6. 10; ViṣṇuDhaP. i. 120. 2; अंशो भगश्चातितेजा आदित्या द्वादश स्मृताः S'ivaP. v. 32. 8 (442A. 8) = BrahmP. 3. 58; वरुणोंऽशोऽर्यमा रविः···इत्येते द्वादशादित्याः PadmP. v. 37. 103; अंशो धाता भगस्त्वष्टा मित्रोऽथ वरुणोऽर्यमा KūrmaP. i. 172. 12; अंशाय नमः···इति द्वादशादित्यान् यजेत् ĪśānS'iPa. i. 18. 8; **3 C** one of the 108 names of the sun वरुणः सागरोंऽशश्च [v. l. °शुश्च] MahāBhā. iii. 3. 24; = BrahmP. 33. 40 [v. l. °रोऽम्भश्च]; **3 D** identified as one of the 12 Mūrtis (forms) assumed by Brahmā (ब्रह्मा) कृत्वा द्वादशधात्मानमादित्यमुपपद्यते। ···विवस्वान् विष्णुरंशश्च वरुणो मित्र एव च। ···आभिर्द्वादशभिस्तेन सूर्येण परमात्मना। कृत्स्नं जगदिदं व्याप्तं मूर्तिभिश्च द्विजोत्तमाः BrahmP. 30.26; **3 E** aspect of the deity presiding over the sun of Mārgaśīrṣa during the Hemanta season